बेरोजगारी में वृद्धि हुई है।

भारत में बेरोजगारी की समस्या एक गंभीर समस्या है, और प्रत्येक सात बेरोजगार व्यक्ति में एक स्त्री है। शुरु में सरकार ने इस ओर बहुत कम ध्यान दिया, और उनका मानना था कि विकास के साथ-साथ बेरोजगारी की समस्या भी स्वतः ही सुलझ जाएगी। लेकिन अब इस समस्या पर विशेष ध्यान दिया गया है। सरकार ने इसे कम करने के लिए निम्नलिखित उपाय किए हैं।

(i) जनसंख्या नियंत्रण :→ भारत में प्रतिवर्ष 80 लाख श्रमिकों की वृद्धि हो रही है, इसका कारण बढ़ती हुई जनसंख्या है। सरकार ने इसे रोकने के लिए परिवार नियोजन जैसे कार्यक्रम चलाये हैं।

(ii) ग्रामीण निर्माण कार्यक्रम :→ भारत में बेरोजगारी की समस्या ज्यादातर गाँवों में है, इसे कम करने के लिए सरकार ने कुछ योजनाएँ भी जारी किये हैं जैसे - काम के बदले अनाज योजना, जवाहर रोजगार गारण्टी योजना आदि।

Scanned by CamScanner

(iii) विशिष्ट रोजगार :→ शिक्षित वर्ग में बेरोजगारी कम करने के लिए कुछ विशिष्ट कार्यक्रम भी अपनाये गए हैं जैसे स्कूलों की संख्या बढ़ाकर नवीन अध्यापकों की नियुक्त किया गया है।

(iv) नियोजन सेवाएँ → रोजगार दिलाने के लिए बेरोजगारों के मार्गदर्शन के लिए रोजगार कार्यालयों की संख्या में सरकार द्वारा वृद्धि की जा रही है। 1950 के अन्त तक रोजगार कार्यालयों की संख्या 143 थी लेकिन वर्तमान में इसे बढ़ाकर 947 कर दी गई है।

(v) लघु एवं कुटीर उद्योगों का विकास :→ सरकार इन उद्योग की सहायता के लिए प्रत्येक जिला मुख्यालय पर एक सरकारी औद्योगिक सलाहकारी केन्द्र स्थापित किये जा चुके हैं। जिससे बेरोजगारी को कम करने में सहायता मिलती है।

(vi) बेरोजगारी भत्ता :→ विभिन्न राज्य सरकारें अपने अपने राज्य में पंजीकृत बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता दे रही है।

(vii) कृषि पर आधारित उद्योगों का विकास :→ सरकार ने कृषि पर आधारित उद्योगों जैसे चीनी मील, सूती वस्त्र मील आदि नये उद्योग स्थापित किये जाने की बात की जा रही है और जो पहले से बन्द हैं उन्हें खोले जाने की भी बात की जा रही है।

उपर्युक्त बातों से यह स्पष्ट होता है कि सरकार द्वारा किये गए प्रयास सराहनीय हैं पर संतोषप्रद नहीं हैं इनके लिए सरकार को कुछ और बातों पर ध्यान देना होगा जो अग्रानिर्देश है।

Scanned by CamScanner

(i) शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन :→ वर्तमान शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन किया जाना चाहिए। इसको रोजगार उन्मुख बनाया जाना चाहिए जिसके लिए व्यवसायिक शिक्षा का विस्तार किया जा सकता है।

(ii) प्राकृतिक साधनों का सर्वेक्षण :→ सरकार को प्राकृतिक साधनों का पता करके वहाँ पर संभावित नये-नये उद्योग स्थापित करना चाहिए।

(iii) पूर्ण क्षमता का उपयोग :→ भारत में बहुत से उद्योग अपनी क्षमता से कम क्षमता पर काम कर रहे हैं अतः इस प्रकार के उद्योगों को अपनी पूरी क्षमता से कार्य करने के लिए बाध्य किया जाना चाहिए। जिससे कि वृहत उद्योगों में रोजगार अवसरों की वृद्धि की जा सके।

(iv) गांवों में बिजलीघरों की स्थापना :→ गांव की बेरोजगारी को दूर करने के लिए सरकार को बिजलीघरों की स्थापना ~~की~~ जानी चाहिए जिससे कि गावों में छोटे-छोटे उद्योग धंधे पनप सकें।

इसके अलावा — (i) औद्योगिक सेवाओं की मजबूतकरण (ii) जनशक्ति नियोजन आदि।

निष्कर्षतः उपर्युक्त ~~[illegible]~~ सुझावों को ध्यान में रखकर अगर सरकार कार्य करेगी तो बेरोजगारी में काफी कमी आ सकती है।

Scanned by CamScanner